केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 14 शुक्रवार 2 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बेहिलनाथ मंदिर परिसर में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के बेहिलनाथ मंदिर पर तेरस एवं कांवरिया की उमड़ी आस्था को देखते हुए गुरुवार को निःशुल्क मेडिकल कैम्प का उद्घाटन रामपुर मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर लाल मणि पाल द्वारा किया गया । कैम्प में अयोध्या से चलकर बेहिल नाथ मंदिर पर जल चढ़ाने हेतु आए हुए श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क दवा वितरण एवं उपचार की व्यवस्था किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर के. पी. तिवारी, डा० आर.पी. शुक्ला, सुरेंद्र दुबे , वीरेंद्र पांडेय , रमेश चन्द , डॉ राम प्रताप, अमरनाथ यादव, फार्मासिस्ट मानस, नितेश , नमन, अजीत , रविंद्र, नमन शर्मा, सहित अन्य क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

हाइवे बंद होने से मुसाफिर परेशानः ट्रेनों पर दबाव बढा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांवड़ यात्रा के लिए बस्ती से अयोध्या तक हाईवे बंद होने से ट्रेनों पर यात्रियों का भार बढ़ गया है। गोंडा, लखनऊ, कानपुर और दिल्ली तक सड़क मार्ग से यात्रा करने वाले लोग आजकल ट्रेन से सफर करने लगे हैं। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या इधर बढ़ी हुई है। बस्ती से प्रतिदिन 25 से 30 हजार यात्रियों का आना–जाना हो रहा है।

गोरखपुर–लखनऊ इंटरसिटी ट्रेन इन दिनों नो–रूम चल रही है। इंटरसिटी में यात्रियों का भार हल्का न होने की वजह वंदेभारत ट्रेन का महंगा किराया है। इसीलिए वंदेभारत नियमित होने के बाद भी इसकी सीटें खाली चल रही हैं।

लखनऊ और कानपुर की यात्रा करने वाले लोग लखनऊ–बरौनी में भी सीटें आरक्षित करा रहे हैं। दिल्ली जाने वाले यात्री गोरखधाम और वैशाली में सफर कर रहे हैं। हालांकि, इन ट्रेनों में सीटों की बुकिंग हो जा रही है। मुंबई जाने के लिए यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस रूट की अधिकतर ट्रेनें नो–रूम चल रही हैं। टिकट काउंटर पर तत्काल टिकट के लिए रोजाना लाइन लग रही है। लेकिन, मुंबई के लिए ट्रेनों में सीटों का आरक्षण नहीं हो पा रहा है।

कांवड़ यात्रा के दौरान हाईवे बंद होने से दिल्ली और लखनऊ रूट की डबल डेकर बसों का आवागमन बंद हो गया है। यह बसें बिहार से दिल्ली तक की यात्रा कराती है। इन दिनों निजी ट्रैवेल एजेंसियों की हाईवे की यह सेवा बंद है। जिससे यात्रियों को ट्रेनों की ओर रुख करना पड़ रहा है। हाईवे के टोल प्लाजा पर लांग रूट के यात्री नहीं देखे जा रहे हैं। बेअपनी यात्रा तिथि या तो बदल ली है या फिर ट्रेनों में बुकिंग करा रहे हैं।

हिमाचल में बादल फटा, कई लापता

दिल्ली (आभा)। दिल्ली–एनसीआर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश से जुड़े हादसों में कई लोगों की जान चली गई. हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद कई लोग लापता हैं.केरल के वायनाड में हुई भूस्खलन त्रासदी के बाद बुधवार, 31 जुलाई को उत्तर भारत में भारी बारिश से जानमाल का नुकसान हुआ है. दिल्ली–एनसीआर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मूसलाधार बरसात के बाद अलग–अलग हादसों में कई लोगों के मारे जाने की खबर है. हिमाचल प्रदेश में तीन जगहों पर बादल फटा है. हादसे के बाद प्रभावित इलाकों से कम से कम 36 लोग लापता हैं. ब्यास और पार्वती नदियां उफान पर हैं।

मैं यहां नौकरी करने नहीं आया, प्रतिष्ठा तो यहां से ज्यादा मठ में मिल जाती है- योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को विधानसभा में सवालों का जवाब देते हुए बेहद आक्रोशित हो गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि यहां पर नौकरी करने के लिए नहीं आया हूं। सवाल प्रतिष्ठा का भी नहीं है। प्रतिष्ठा तो यहां से ज्यादा मठ में ही मिल जाती है। कहा कि जो भी अव्यवस्था फैलाने का काम करेगा उसे भुगतना ही होगा। इसके साथ ही कहा कि यह सरकार चलेगी और पूरी मजबूती के साथ चलेगी। ओबीसी और एससी–एसटी के आरक्षण को लेकर भी सपा पर करारा हमला बोला।

सीएम योगी ने नेता विरोधी दल के सवालों के जवाब में कहा कि आप लोगों को बुलडोजर से भी डर लगता है लेकिन यह निर्दोष के लिए नहीं है। यह उन अपराधियों के लिए हैं जो व्यापारी और बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने का काम करते हैं। योगी ने कहा कि मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं, जो करेगा वह भुगतेगा। इस इस तरह से गुमराह करने वाले तथ्यों को लेकर आप लोग घूमते हैं। इस तरह की बातों को फैलाते हैं। लोकसभा चुनाव में सपा को मिली जीत की ओर इशारा करते हुए कहा कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ने वाली है। अब समय पूरा हो गया है। हम लोग जो भी योजना बनाते हैं, धरती पर पांव रखकर बनाते हैं। सपा या कांग्रेस को किसी को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

योगी ने कहा कि यह सरकार चलेगी और पूरी मजबूती के साथ चलेगी। प्रदेश के अंदर खिलवाड़ करने की किसी को जरूरत नहीं होगी। सीएम योगी ने लखनऊ के गोमती नगर की घटना को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। तंज कसते हुए कहा कि अव्यवस्था फैलाने वालों की सूची हमारे पास आई है। पहला अपराधी पवन यादव और दूसरा मोहम्मद अरबाज है। यह सदभावना वाले लोग हैं। इनके लिए सदभावना नहीं बुलेट ट्रेन चलेगी। महिला सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च महत्व रखता है। जो खिलवाड़ करेगा खामियाजा भुगतेगा। हमने एक एक बहन बेटी को आश्वस्त किया है। इसलिए ही घटना को गंभीरता से लिया है। पूरी चौकी पर कार्रवाई की गई है। थानेदार से लेकर अधिकारियों को हटाया गया है और सस्पेंड किया गया है। सभी को सम्मान देंगे लेकिन किसी ने अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश की तो परिणाम भुगतना ही होगा।

योगी ने कहा कि सपा के समय ओबीसी को 27 फीसदी भी आरक्षण नहीं मिला है। अखिलेश–शिवपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि भतीजा और चाचा की जोड़ी वसूली के लिए निकली थी। लेखपालों की तैनाती भी उसी आधार पर हुई थी। आज पांच लाख लेखपालों की नियुक्ति हुई है। कोई आरोप नहीं लगा सकता है। हमारी सरकार में एससी, एसटी और ओबीसी में 60 फीसदी नियुक्तियां की गई हैं। हमने सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में किसी नौजवान के साथ धोखा नहीं होना चाहिए। अगर धोखा हुआ तो उसी दिन नौकरी लेने का काम हम लोग करेंगे। उसे जेल के अंदर निर्मनता से ठूंसने में भी हम लोगों कोताही नहीं बरतते हैं।

आरक्षण केवल पहली पीढ़ी कोः सुप्रीम कोर्ट ने दिया फैसला

नई दिल्ली (आभा)। अनुसूचित जाति को मिलने वाले 15 फीसदी आरक्षण में भी सब–कोटे को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मंजूरी दी। अदालत ने 6–1 के बहुमत से फैसला देते हुए कहा कि राज्यों को एससी आरक्षण में भी जातीय आधार पर उसके वर्गीकरण का आधार है। यह आरक्षण उन जातियों के लिए अलग से वर्गीकृत किया जा सकता है, जो पिछड़ी रह गई हों और उनसे ज्यादा भेदभाव किया जा रहा हो। यही नहीं सुनवाई के दौरान जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि किसी भी कैटिगरी में पहली पीढ़ी को ही आरक्षण मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एससी और एसटी में आरक्षण का वर्गीकरण करना उचित विचार है।

जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि इस बात की समीक्षा होनी चाहिए कि आरक्षण मिलने के बाद दूसरी पीढ़ी सामान्य वर्ग के स्तर पर आ गई है या नहीं। यदि ऐसी स्थिति आ जाए तो फिर एक पीढ़ी के बाद आरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

संसद भवन में टपकने लगा पानी, विपक्ष ने उठाये सवाल

नई दिल्ली (आभा)। भारी बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली में सैलाब देखने को मिला। नए संसद भवन की लॉबी में भारी बारिश के कारण पानी का रिसाव देखा गया। इस तरह की परिस्थिति के चलते प्रतिष्ठित इमारत की संरचनात्मक मजबूती और डिजाइन को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुधवार को हुई बारिश के दौरान नए भवन के परिसर में जलभराव देखा गया। विशेषकर मकर द्वार के पास जलभराव की स्थिति गंभीर थी। इस घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जिसके बाद से कई सवाल उठने लगे हैं।

हालांकि, इस मसले पर जवाब देते हुए लोकसभा सचिवालय ने कहा कि ग्रीन पार्लियामेंट के कॉन्सेप्ट के तहत भवन के कई हिस्सों में विशेषकर लॉबी में कांच के गुंबद का ढांचा तैयार किया गया है ताकि प्राकृतिक रोशनी का अधिकतम उपयोग हो सके। हालांकि, बुधवार की भारी बारिश के दौरान इन कांच के गुंबदों को चिपकाने वाले पदार्थों की टेपिंग कमजोर हो गई। जिससे लॉबी में पानी का रिसाव हुआ। अधिकारियों ने इस घटना को मामूली बताते हुए कहा कि समस्या का समय पर पता चला और तुरंत सुधारात्मक उपाय किए गए।

यह पहली बार नहीं है जब नई संसद भवन को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। इमारत की निर्माण प्रक्रिया से लेकर उद्घाटन तक कई मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठाता रहा है।

इस घटना ने एक बार फिर नए संसद भवन की गुणवत्ता और निर्माण में उपयोग की गई सामग्रियों की प्रामाणिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि, अधिकारियों ने यह दावा किया है कि इस घटना से भविष्य में कोई असुविधा नहीं होगी।

वायनाड में 291 की मौत, 200 लापता पीड़ितों से मिले राहुल, प्रियंका

वायनाड (आभा)। केरल के वायनाड में भूस्खलन के आयी तबाही में अब मृतकों का आंकड़ा 300 के करीब पहुंच गया है। ताजा अपडेट के अनुसार 291 लोगों की इस त्रासदी में मौत हो चुकी है, जबकि करीब 200 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में मृतकों का आंकड़ा बढ़ने का सिलसिला जारी है। वायनाड जिला प्रशासन के अनुसार त्रासदी में अब तक 177 लोगों की मौत हो चुकी है।

लोकसभा में नेता विपक्ष और वायनाड से पूर्व सांसद राहुल गांधी अपनी बहन और पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वायनाड के मेप्पाडी सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। दोनों नेताओं ने भूस्खलन के पीड़ितों से मुलाकात की। वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में अब तक 173 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा के लिए बन रहा चबूतरा तोड़ गया, गरमाई राजनीति

संवाददाता– गोरखपुर । पूर्व मंत्री स्व. हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनके पैतृक गांव टांड़ा में प्रतिमा स्थापित करने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने ध्वस्त करा दिया। ग्राम पंचायत की भूमि पर बिना अनुमति निर्माण की शिकायत पर प्रशासन की तरफ से यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई को लेकर पुलिस–प्रशासन और ग्रामीणों के बीच कहासुनी भी हुई। पूर्व मंत्री के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने नाराजगी जताते हुए इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से की गई कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि कानून के दायरे में रहकर इसका जवाब दिया जाएगा। समय आने पर चिल्लूपार और देश–प्रदेश की जनता भी इसका जवाब देगी। उधर, चिल्लूपार से भाजपा विधायक राजेश त्रिपाठी ने पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार टांड़ा गांव में ग्राम पंचायत निधि के जरिए नवीन परती की भूमि पर पूर्व मंत्री की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय प्रस्ताव पारित करके लिया गया। इसके लिए एक पत्रक भी एसडीएम गोला को सौंपा गया था, लेकिन तहसील प्रशासन की ओर से लिखित अनुमति नहीं मिली। अनुमति न मिलने के बाद भी ग्राम पंचायत की जमीन पर चबूतरा का निर्माण शुरू करा दिया गया। पूर्व मंत्री की जयंती पर 5 अगस्त को प्रतिमा स्थापना की तैयारी थी।

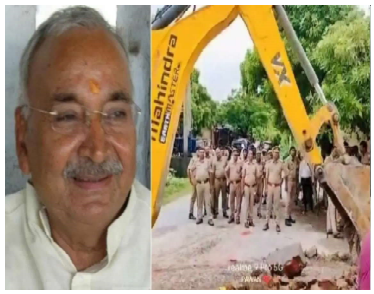

इस मामले में बीते 21 जुलाई को गांव के ही डॉ. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी ने एसडीएम गोला को एक पत्र देकर सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा लगाने पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पत्र की कापी मुख्य सचिव, कमिश्नर और डीएम, एसएसपी, सीओ गोला के साथ प्रभारी निरीक्षक बड़हलगंज को भी भेजी।

बुधवार को चबूतरा का निर्माण अंतिम चरण में था तभी पुलिस ने बिना अनुमति के काम न कराने को कहा। इसके बाद एडीएम गोला, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंच गए। मौके पर उपस्थित लोगों ने विरोध किया लेकिन प्रशासन ने इसे अवैध करार देते हुए निर्माणा को ध्वस्त करा दिया।

इस संबंध में ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी का कहना है कि ग्राम पंचायत ने नवीन परती भूमि पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया था। गांव के लोगों की ओर से एसडीएम को पत्र भी दिया गया था। एसडीएम ने मौखिक अनुमति प्रदान कर दी थी। इसलिए निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

वहीं एसडीएम गोला राजू कुमार का कहना है कि शासनादेश में स्पष्ट निर्देश है कि ग्राम पंचायत की भूमि में कोई मूर्ति स्थापित करने के लिए अनुमति ली जानी चाहिए। लेकिन इस संबंध में कोई अनुमति नहीं दी गई थी। इसकी शिकायत प्राप्त हुई थी। जब जांच कराई तो मामला सही पाया गया। इसके बाद कार्रवाई की गई।

पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे और पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने कहा कि यह राजनीतिक अराजकता की पराकाष्ठा है। सहयोगी और समर्थक धैर्य बनाए रखें। कानून व्यवस्था की परिधि और मर्यादा में रहकर इसका जवाब दिया जाएगा। समय आने पर इसका निर्णय चिल्लूपार की जनता के साथ ही देश और प्रदेश की जनता भी करेगी।

वहीं चिल्लूपार सीट से बीजेपी विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि यह मामला पूर्व विधायक के पट्टीदार और समर्थक के बीच का है। अपने राजनैतिक वजूद को खत्म होते देखकर पूर्व विधायक अपने पिता की प्रतिमा का सहारा लेकर इस प्रकरण को मुद्दसे और सरकार से जोड़कर ओछी राजनीति पर उतर आए हैं।

पटेल हास्पिटल गोटवा में कांवडं भक्तों को दिया निःशुल्क चिकित्सा सेवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा द्वारा कांवड़ भक्तों को 24 घंटे निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। कांवड़ यात्रा चलने तक यह सुविधा जारी रहेगी। गुरूवार तक 700 से अधिक कांवरियां भक्तों का उपचार किया गया।

यह जानकारी देते हुये संस्थान के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि कई वर्षो से हास्पिटल की ओर से यह सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होने स्वयं चिकित्सकों की टीम के साथ कांवरियों की सेवा के साथ ही निःशुल्क औषधि उपलब्ध कराया।

डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि डा. आर.एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. आलोक रंजन, डा. मनोज मिश्र, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. लालजी यादव, डा. रीतेश कुमार, श्रवन कुमार, डा. फरहाना बानो, के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों में शिवशंकर, सविता श्रीवास्तव, उत्कर्ष दूबे, माया, पूजा, कविता, मनीषा, शालू, गोल्डी, रजिया, मनोज, विशाल, राम अजोर, जग प्रसाद के साथ ही फार्मासिस्ट, जे.एन..एम. के छात्र–छात्राओं ने कांवरियां भक्तों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराया।

बताया कि कांवरियां भक्तों की निःशुल्क चिकित्सा सेवा के लिये डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती कांवड़ यात्रा चलने तक जारी रहेगी।

–700 से अधिक कांवड़ भक्तों का किया गया उपचार–डा. वी.के. वर्मा

हर तरफ हर–हर महादेव की गूंज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 2 अगस्त शुक्रवार को महादेव आस्था के जल से नहायेंगे। श्री भद्रेश्वरनाथ धाम के साथ ही तिलकपुर, कड़र, भारीनाथ, बरवा, देवरिया के साथ ही अनेक शिव मंदिरों पर कावड़ यात्रियों का समूह पहुंच चुका है और यह सिलसिला लगातार जारी है।

बस्ती– अयोध्या हाइवे मार्ग पर सड़कों पर हर तरफ बम–बम का जयघोष है। चारो ओर कांवड़िए ही कांवड़िए हैं। मानो कि केसरिया आस्था शिव साधना के लिये उमड़ पड़ी हो। कंधे पर कांवड़ और पैरों में पट्टी बांधे कांवड़िए 'बोल बम' का जयघोष करते हुए मंजिल की तरफ बढ़ते रहे। चाहे वह वर्षा की रिमझिम झड़ी हो या तेज धूप फिर भी शिवभक्त कांवड़ियों की आस्था भारी पड़ रही है। कावड़ियों के कदम बराबर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं।

गुरुवार को धूप व बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहने के बावजूद भी आस्था वर्षा और पर भारी पड़ती दिखाई दे रही थी। रास्ते में कहीं–कहीं वर्षा से सड़कों में हो रहे गड्ढों की परवाह किये बिना शिव भक्त उत्साह और जोश के साथ भोलेनाथ का जयघोष करते हुए अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते जा रहे थे। जैसे जैसे वर्षा का वेग बढ़ता है तो कांवड़ियों का जोश भी उसी तरह उफान मारता हुआ अपनी मंजिल की ओर हर हर महादेव बोल बम आदि नारों से गुंजायमान होता हुआ आगे बढ़ता रहा। शिवभक्त कावड़ियों द्वारा अयोध्या धाम की सरयू नदी से कावड़ में पवित्र जल भरकर लाने का सिलसिला बढ़ गया है। इधर समाजसेवी संस्थाएं भी भक्तों की सेवा में समर्पित दिखाई दी। जनपद में विभिन्न स्थानों पर कावड़ियों के लिए नाश्ते और खाने के उचित प्रबन्ध दिखाई दिए। बड़ी संख्या में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व दवा वितरण के इंतजाम देखने को मिले। प्रशासन ने भी कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए उचित प्रबन्ध किये हैं।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर बस्ती में विश्वविद्यालय बनाने की मांग तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी साहित्य के पुरोधा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर हिन्दी विश्वविद्यालय बनाने की मांग तेज हो गई है। पिछले कई वर्षो से यह मांग की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को हरैया विधायक अजय सिंह ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम पर हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना के संदर्भ में नियम 51 के अंतर्गत सूचना देकर वक्तव्य की मांग किया । इसके उत्तर में विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने पत्र जारी कर जानकारी दिया कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उक्त सूचना को वक्तव्य के लिए स्वीकार किया गया है । उक्त सूचना पर सदन में वक्तव्य दिए जाने के लिए 2 अगस्त 2024 की तिथि निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय की मांग कर रहे विधायक अजय सिंह सहित अन्य लोगों का कहना है कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और उनका जन्म जनपद बस्ती की पवित्र धरा पर हुआ है इसलिए उनके सम्मान और योगदान को देखते हुए हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना बस्ती में अति आवश्यक है। विधायक अजय सिंह ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उनका प्रयास अनवरत जारी रहेगा और सरकार आवश्यकता को देखते हुये गंभीरता से विचार कर इस पर शीघ्र घोषणा भी कर सकती है। यह बस्ती के साथ ही पूर्वान्चल के लिये बड़ी उपलब्धि होगी।

युग प्रवर्तक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से बने विश्वविद्यालय -अजय सिंह

इतिहासकार एवं युग प्रवर्तक थे। उन्होंने हिन्दी निबंध को नया आयाम देकर उसे ठोस धरातल पर प्रतिष्ठित किया।

विधायक अजय सिंह ने बताया कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये लम्बे समय से मांग चल रही है। दुर्गादत्त पाण्डेय के साथ ही अनेक शिक्षक, छात्र निरन्तर इस मांग को लेकर सरकार से रचनात्मक पहल का आग्रह करते रहे हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उनका प्रयास अनवरत जारी रहेगा और सरकार आवश्यकता को देखते हुये गंभीरता से विचार कर इस पर शीघ्र घोषणा भी कर सकती है। यह बस्ती के साथ ही पूर्वान्चल के लिये बड़ी उपलब्धि होगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 अगस्त 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

वायनाड की त्रासदी

केरल के वायनाड जनपद स्थित कई इलाकों में मंगलवार की रात्रि में भूस्खलन की कई घटनाओं में 290 से अधिक लोगों की मौत और सैकड़ों की गुमशुदगी निश्चित रूप से एक बड़ी मानवीय त्रासदी है। देर रात आई आपदा ने जन–धन की हानि को बढ़ाया है। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। भूस्खलन और उसके बाद तेज बारिश से राहत व बचाव के कार्यों में बाधा आने से फिर स्पष्ट हुआ है कि कुदरत के रौद्र के सामने आज भी सारी मानवीय व्यवस्था बौनी साबित होती है। ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सकें लेकिन जन–धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किये जा सकते हैं। वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना राहत–बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है। प्रथम दृष्टया इस तबाही को एक प्राकृतिक आपदा के रूप में वर्णित किया जा रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके और वन क्षेत्र को लगातार हुए नुकसान जैसे कारकों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी भूस्खलन के मानचित्र के अनुसार भारत के भूस्खलन की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में दस जिले केरल में स्थित हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर हैं। वर्ष 2021 के एक अध्ययन के अनुसार केरल में सभी भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाके पश्चिमी घाट में स्थित हैं। जिसमें इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिले शामिल हैं। जाहिर है इस चेतावनी को तंत्र ने गंभीरता से नहीं लिया।

दरअसल, यही वजह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से पश्चिमी घाट के पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति को रोकने के लिये एक कार्ययोजना तैयार करने का आग्रह किया है। निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर–तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। यदि ऐसी आपदाओं से बचाव के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाती है तो जान–माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। विडंबना है कि केरल के मामले में ऐसा नहीं हो पाया है। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान–माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है। वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि विगत के वर्षों में वायनाड में कई बार हुई भूस्खलन की घटनाओं को राज्य शासन ने गंभीरता से नहीं लिया है। यह अच्छी बात है कि सभी राजनीतिक दलों व केंद्र तथा राज्य सरकार ने आपदा के प्रभावों से मुकाबले में एकजुटता दिखायी है। हालांकि, विषम परिस्थितियों व मौसम की तल्खी के कारण नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रभावित इलाकों में नहीं पहुंच पाए, लेकिन आपदा पीड़ितों के राहत, बचाव के लिये देश व तंत्र की एकजुटता निश्चित ही पीड़ितों का मनोबल बढ़ाएगी।

कौन 'लिख' रहा है केशव के लिए 'स्क्रिप्ट'

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की राजनीति भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आजकल सबके आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। पिछड़े समाज से आने वाले केशव प्रसाद मौर्य राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक पुराने और समर्पित कार्यकर्ता हैं। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के समय केशव पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे और बीजेपी की जीत के बाद उनके सीएम बनने की चर्चा काफी जोरों से चली थीं,लेकिन ऐन मौके पर वह सीएम की रेस से बाहर कर दिये गये,जो कारण सामने आये उसमें उनके ऊपर चल रहे आपराधिक मुकदमें अहम थे। मोदी और शाह की जोड़ी नहीं चाहती थी कि केशव प्रसाद को सीएम बनाकर वह विपक्ष को हमलावर होने का मौका दें,इसके बाद बीजेपी आलाकमान की पोटली से अप्रत्याशित रूप से योगी आदित्यनाथ का नाम सामने आया और उन्हें सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया गया।उस समय तक योगी की पहचान एक कट्टर हिन्दूवादी नेता की होती थी और हिन्दू वाहिनी नाम से वह एक संगठन भी चलाते थे,जो काफी एग्रेसिव होकर हिन्दुत्व को प्रखरता प्रदान करता था।

केशव प्रसाद मौर्य के नीचे से सीएम की कुर्सी खिसक गई,इसका उनमें गुस्सा था, केशव की इसी गुस्से को शांत करने और पिछड़ा समाज की नाराजगी को दूर करने के लिये बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें समझा बुझा कर डिप्टी सीएम बना दिया। ओहदे के अनुसार उन्हें कुछ प्रमुख विभाग भी दिये गये। इसके साथ–साथ लखनऊ में केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्यनाथ पड़ोसी भी बन गये। पांच कालीदास मार्ग योगी का पता था तो 7 कालीदास मार्ग में केशव रहते थे। दोनों के आवास के बीच में बस एक बंगला आता था,लेकिन योगी और केशव का एक–दूसरे के घर जाना नहीं होता था,यहां तक की केशव प्रसाद मौर्य के पिता की मौत के बाद योगी ने केशव के आवास पर जाकर संवेदना जताने में भी काफी समय लगा दिया। वह तब संवेदना व्यक्त करने पहुंचे जब आलाकमान ने उन्हें इसके लिये 'मजबूर' किया। यह और बात थी कि इतना सब होने के बाद भी केशव ने कभी अपनी नाराजगी को सार्वजनिक नहीं किया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद वे खुलकर सामने आ गए हैं।वह मुख्यमंत्री से दूरी बनाकर चलने लगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकसभा चुनाव के बाद हुई किसी भी कैबिनेट बैठक में केशव शामिल नहीं हुए। चुनाव परिणाम आने के बाद से केशव मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होने वाली किसी बैठक में नहीं जा रहे है। वह कैबिनेट बैठकों से भी दूरी बनाए हैं। इसे लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हैं। योगी ने जब मंडलवार अपने सांसदों और विधायकों से हार के लिए फीडबैक लिया तो 25 जुलाई को प्रयागराज मंडल के सांसदों और विधायकों के साथ हुई बैठक में भी केशव मौजूद नहीं रहे। जबकि वह सीएम आवास के बगल में स्थित अपने सरकारी आवास पर मौजूद थे और कई पूर्व व वर्तमान मंत्रियों से मुलाकात कर रहे थे। उनके बैठक में नहीं पहुंचने पर प्रदेश की सियासत गरमा गई। प्रयागराज मंडल की बैठक में भाजपा के साथ अपना दल (एस) के विधायक भी पहुंचे थे। बैठक में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नंद गोपाल गुप्ता समेत सभी विधायक थे। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से विधानसभावार चर्चा की।इसी प्रकार केशव सीएम की बैठक में भले ही नहीं गए, पर पूरे दिन अपने आवास पर जनप्रतिनिधियों से मिलते रहे। केशव से पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी और राज्यमंत्री दिनेश खटीक समेत कई लोगों ने मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद केशव ने अपने एक्स हैंडल से देते हुए फोटो भी शेयर किया है। बहरहाल,केशव भले योगी की समीक्षा बैठक में नहीं गये थे,लेकिन अपना दल (कमेरावादी) की नेता और अखिलेश से नाराज चल रहीं सपा विधायक पल्लवी पटेल ने जरूर उसी समय सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश की सियासी माहौल को गरमा दिया। सूत्रों के मुताबिक पल्लवी सीएम आवास पर करीब 25–30 मिनट रहीं। सीएम से हुई बात को लेकर पल्लवी कुछ बताने को तैयार नहीं दिखी। हॉ, उनके करीबी सूत्रों का जरूर कहना था कि वह अपने क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं। बता दें कि पल्लवी ने पिछले विधानसभा चुनाव के केशव प्रसाद को शिकस्त दी थी। वहीं, भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर पत्र लिखा था, जिसे लेकर सियासी तूफान उठा था।

एक बात और केशव प्रसाद मौर्य पार्टी के भीतर तो विरोध की चिंगारी भड़काये हुए हैं,लेकिन विपक्ष के हाथ का खिलौना वह नहीं बनना चाहते हैं,इसी लिऐ जैसे ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव नाराज केशव प्रसाद मौर्य को कोई ऑफर देते हैं तो केशव उनको करारा जवाब देकर चुप करा देते हैं। केशव की बातें योगी खेमें को काफी चुभती हैं जब केशव संगठन को सरकार से बड़ा बताते हैं तो इसमें राजनीति के जानकार सियासी रंग तलाशने लगते हैं, अब तक केशव कम से कम दो बार कह चुके हैं कि संगठन सरकार से भी बड़ा है। केशव इस समय किस–किस से मिल रहे हैं, इसको लेकर सभी में जिज्ञासा बनी रहती है। दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं से उनकी मुलाकात और बातचीत को लेकर भी सुर्खियां बनी रहती है। वहीं केशव से मिलने वालों में भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भी शामिल हैं। मौर्य के एक अन्य ओबीसी नेता, निषाद पार्टी के संजय निषाद से भी मुलाकात की चर्चा गरम है। केशव के राजभर और निषाद से मुलाकात के कई मायने हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद संजय निषाद ने ही पहला बयान दिया था कि बुलडोजर के दुरुपयोग ने हमें हरा दिया। इन्हीं लाइनों पर ओमप्रकाश राजभर ने भी बुलडोजर राजनीति की आलोचना की थी। दोनों ओबीसी नेताओं के बयान साफ तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ है, जो खुद को बुलडोजर बाबा कहलवाना पसंद करते हैं। विपक्ष का आरोप है कि योगी ने ही सबसे पहले बुलडोजर से मुस्लिमों के घर–दुकान आदि गिराने की शुरुआत की थी। ओमप्रकाश राजभर तो अब योगी कैबिनेट में मंत्री भी हैं। लेकिन वो मुखर योगी विरोधी हैं। ऐसे में केशव प्रसाद मौर्य का योगी के दो कट्टर विरोधियों से मिलने का मतलब आसानी से निकाला जा सकता है।यह मुद्दा इसलिए गंभीर है, क्योंकि एक अन्य ओबीसी नेता और अपना दल (एस) की अनुप्रिया पटेल भी योगी के खिलाफ मुखर नजर आ रही हैं। केशव और अनुप्रिया के सुर भी मिल रहे हैं।

बहरहाल,इस बात की संभावना नहीं है कि केशव पार्टी के खिलाफ बगावत भी कर सकते हैं। डिप्टी सीएम केशव लंबे समय से भाजपा के वफादार हैं। वो एक गैर–राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिन्होंने विश्व हिन्दू परिषद में कार्य किया तो अपने दम पर आरएसएस में जगह बनाई। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में भाग लिया, जिसने यूपी में बीजेपी की किस्मत बदल दी। वह यूपी के सिराथू से एक बार के विधायक और एक बार के सांसद हैं। उन्होंने प्रदेश भाजपा में विभिन्न संगठनात्मक पदों पर काम किया है और 2017 में जब भाजपा को सत्ता मिली तो वो प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे।

केशव प्रसाद मौर्य इतने गुस्से में क्यों हैं,यह तो समझ में आता है,लेकिन केशव के गुस्से को आलाकमान शांत क्यों नहीं करा रहा ,यह समझ से परे बात है। कहा तो यह भी जाता है कि ओबीसी नेता होने की वजह से भाजपा आलाकमान (मोदी–शाह) केशव की तरफ से मुंह मोड़े हुए है। केशव प्रसाद मौर्य 2022 का विधानसभा चुनाव सिराथू से महज 7337 वोटों से हार गए। मौर्य ने इसके लिए योगी को जिम्मेदार ठहराया। मौर्य ने आलाकमान तक से शिकायत की कि उन्हें अपनी ही सरकार ने हरा दिया। भाजपा आलाकमान ने योगी को संदेश देने के लिए केशव प्रसाद मौर्य को डिप्टी सीएम बनवा दिया। योगी आलाकमान के फैसले से अभी तक नाराज हैं। केशव प्रसाद मौर्य लगातार चुनौतियां पेश कर रहे हैं और पार्टी आलाकमान उन्हें चेतावनी तक नहीं दे रहा है। इससे यूपी की जनता में योगी को लेकर गलत संदेश जा रहा है लेकिन आलाकमान ने मौर्य को कुछ नहीं कहा। पिछले दिनों जब लखनऊ में प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक हुई तो मौर्य के तेवर सख्त थे। जिसमें उन्होंने वो जुमला कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा होता है। बाद में मौर्य ने इस जुमले को एक्स पर पोस्ट भी किया था। मौर्य की गतिविधियां बता रही हैं कि उन्हें भाजपा आलाकमान का संक्षण मिला हुआ है और पार्टी अब योगी से छुटकारा पाना चाहती है। लेकिन योगी अपनी आखिरी कोशिश जारी रखे हुए हैं। कहा जा रहा है कि 10 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव के बाद योगी को हटा दिया जाएगा।

उधर, यूपी बीजेपी का झगड़ा सुलझाने के लिए कोशिशें तो आरएसएस की तरफ से भी हो रही हैं, लेकिन अभी तक उसका कोई असर तो नहीं ही नजर आ रहा है,लेकिन लगता है ये झगड़ा उपचुनावों में ही भारी पड़ने वाला है. लोकसभा चुनाव में बुरी शिकस्त मिलने के बाद बीजेपी के लिए यूपी में ये नई और बड़ी चुनौती है।लब्बोलुआब यह है कि केशव को कहां से योगी के खिलाफ बैकअप मिल रहा है।कहीं आलाकमान ही तो नहीं योगी को हटाने के लिये ही तो केशव के माध्यम से स्क्रिप्ट नहीं लिख रहा है।

जाति है कि जाती नहीं....!

—अजय कुमार—

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं। इनके द्वारा राजशाही तरीके से देश को आपातकाल में झोंक दिया जाता था,जिनके द्वारा अपने हिसाब से देश की आजादी का इतिहास लिखवाया गया,जिसको चाहा अपमानित किया गया और जिसे चाह सिर आंखों पर बैठा दिया गया। इसी लिये वीर सावरकर जैसे स्वतंत्र सेनानी को यह लोग अपमानित करते हैं।सुभाष चन्द्र बोस को परेशान किया गया।

कांग्रेस आज भी इसी सोच के साथ जी रही है कि जो वह कहें वही पत्थर की लकीर है,उसे कोई काट नहीं सकता है। इससे ज्यादा दुख की बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी भी इससे इतिफाक रखते हैं,जिसमें आजकल समाजवादी पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी भी शीर्ष पर मौजूद है। मुलायम सिंह यादव जो ताउम्र कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे,आपातकाल में जेल गये,उन्हीं के बेटे अखिलेश यादव तब उतेजित हो जाते हैं जब बीजेपी के नेता राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ लेते हैं। वह सदन में चिल्लाने लगते हैं कि राहुल गांधी की जाति कैसे पूछी,जबकि राहुल–अखिलेश की जोड़ी अपनी राजनीति चमकाने के लिये समय–बेसमय किसी की भी जाति पूछकर उसका उपहास उड़ाने या उसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बहुत दिन नहीं हुए, जब यह दोनों नेता लोगों और विशेषकर अधिकारियों एवं मीडिया वालों की जाति पूछते थे, लेकिन जब लोकसभा में बीजेपी के एक नेता ने गोलमोल शब्दों में उनकी जाति पूछ ली तो वह उछल पड़े,जबकि राहुल का नाम लिये बिना बीजेपी के मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में तंज कसा था कि जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं, वे उसके गणना की मांग कर रहे है।यह बात राहुल और उनकी टीम के सदस्यों को इतनी बुरी लगी कि इन्होंने हंगाम खड़ा कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता संसद के भीतर और बाहर आपे से बाहर हो गए। इनमें कांग्रेस के वे नेता भी है, जो लोगों की जाति जानने की राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति को उनका मास्टर स्ट्रोक बताया करते थे। सवाल यही है कि कोई अपरिक्व नेता जब हर तफर घूम–घूमकर सबकी जाति जानने की कोशिश करेगा तो फिर उसे अपनी भी जाति बताने के लिए तैयार रहना चाहिए,जैसा भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति के बारे में पूछा था। राहुल गांधी इस कटाक्ष को अपना अपमान बता रहे है। यह वही राहुल हैं, जो चंद दिन पहले लोकसभा में भाजपा नेताओं को दुर्योधन, शकुनी आदि बताते में लगे हुए थे। इसके पहले वह एक जनसभा में यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी तो ओबीसी हैं ही नहीं,जबकि इसके उलट तमाम लोग राहुल गांधी को तो हिन्दू ही नहीं मानते हैं।

यह एक सामान्य बात है कि किसी को भी दूसरों के साथ वैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, जैसा उसे अपने लिए पसंद न हो,लेकिन राहुल गांधी हों या फिर अन्य कुछ नेता इससे इतेफाक नहीं रखते हैं। अनुराग ठाकुर के बयान पर संसद में जो हंगामा हुआ, वह केवल राहुल गांधी का अपनी खीझ मिटाने और जनता का इस मुद्दें से ध्यान हटाने के अलावा कुछ नहीं था। यह हास्यास्पद ही है कि अनुराग ठाकुर के बयान का समर्थन करने के कारण कांग्रेस प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने पर विचार ले आई।क्योंकि मोदी ने अनुराग के भाषण वाला वीडियो फारवर्ड कर दिया था। बहरहाल, संसद में आज जाति के नाम पर जो घमासान हो रहा है,उसकी नींव कांग्रेस ने बहुत पहले ही रख दी थी। आजादी के बाद कांग्रेस ही तो थी,जिसने अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल वाले फार्मूले को जिंदा रखा था। जातिवादी राजनीति का ही नतीजा है कि समाज बंटता जा रहा है।जब नेताओं को देश को जाति की राजनीति से बाहर लाने की कोशिश की जानी चाहिए, तब कुछ दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के नेता जाति की राजनीति को तूल देकर समाज में विभाजन और वैमनस्य पैदा करने में लगे हुए हैं। वे यह कहकर जाति की गणना की मांग करने में लगे हुए हैं कि इससे ही समस्त समस्याओं का समाधान होगा और सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना इतनी ही आवश्यक थी तो दशकों का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना आवश्यक थी तो दशकों तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस ने ऐसा क्यों नही किया? प्रश्न यह भी है कि क्या लोगों की जाति जाने बिना उन्हें गरीबी से बाहर निकालने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के प्रश्न हल करना संभव नहीं? हर कोई इससे अच्छी तरह परिचित है कि जाति की राजनीति ने समाज को विभाजित करने के साथ सामाजिक न्याय की राह में मुश्किल पैदा की है, फिर भी कुछ नेता अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए समाज को जातियों में बांटने में लगे हुए हैं। जातीय वैमनस्य के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है, लेकिन जातिवादी नेता यह देखने–समझने को तैयार नहीं। हमारे समाज में तो केवल दो ही जातियां होनी चाहिए–अमीर एवं गरीब और उनका ही पता लगाया जाना चाहिए।कांग्रेस हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों के नेता एक तरफ तो वह जातीय जनगणना की बात करते हैं,लेकिन जब मुसलमानों में जातीय मतभेद को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो इनके मुंह पर ताले पड़ जाते हैं। क्योंकि मुसलमानों में जातीय भेदभाव से इनका वोट बैंक बंट जायेगा। राहुल गांधी जैसे अपरिपक्व नेताओं को समझना चाहिए की जातीय भेदभाव करके वह कुछ समय के लिये अपनी राजनीति को आगे बढ़ा सकते हैं,लेकिन हमेशा ऐसा होने वाला नहीं है। आम चुनाव में भी यही बात नजर आई है।

मनु भाकर ने इतिहास रच दिया

ओलम्पिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। ऐसे विरले ही खिलाड़ी होते हैं जो एक ही ओलम्पिक में एक से ज्यादा पदक जीत पाते हैं। ऐसे खिलाड़ियों का नाम इतिहास में दर्ज हो जाता है। भारत की निशानेबाज बेटी मनु भाकर ने ये कारनामा कर दिखाया है। ऐसा करने वाली मनु स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं। मनु से पहले कोई भारतीय एक ओलम्पिक में दो पदक जीत नहीं सका।

अब तक, भारत ने ओलंपिक में 35 पदक जीते हैं। जिनमें निशानेबाज अभिनव बिंद्रा (2008) और नीरज चोपड़ा (2021) ही व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पदक जीते थे जो ओलंपिक में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ऐसे में अब भारत का लक्ष्य होगा अपने मेडल्स की संख्या को डबल डिजिट यानी 10 से ज़्यादा करना है।

निशानेबाज बिटिया मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में वह कर दिखाया है, जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित, अतुलनीय और अनिर्वचनीय है। एक ही खेल के दो प्रारूपों में लगातार दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने कई इतिहास लिख दिए हैं। मनु के साथ सरबजोत सिंह भी मिश्रित खेल की अप्रतिम उपलब्धि के सूत्रधार हैं, लिहाजा देश के बेटे–बेटी को साझा शाबाश! मनु 10 मीटर एयर पिस्टल की निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय गौरव भी मनु के हिस्से आया है कि एक ही ओलंपिक में, एक ही खेल की दो शैलियों में, दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भी प्रथम महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चौंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है।

मनु से पहले नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 के खेलों के दौरान एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। तब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। प्रिचार्ड के बाद कोई भी भारतीय एथलीट एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने में कामयाब नहीं हुआ था। हालांकि, कुछ भारतीय एथलीट हैं जिन्होंने अपने करियर में ओलंपिक खेलों में कुल मिलाकर दो पदक जीते हैं। इनमें सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधु (बैडमिंटन) शामिल हैं। सुशील ने लंदन 2012 में रजत पदक जीतने से पहले बीजिंग 2008 खेलों में कांस्य पदक जीता था। ऐसा करते ही वह स्वतंत्रता के बाद दो अलग–अलग ओलंपिक में एक से अधिक पदक जीतने वाले भारत के पहले व्यक्तिगत एथलीट बन गए।

बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता। तब वह फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार गई थीं। यह पहली बार था जब भारत ने ओलंपिक बैडमिंटन में रजत पदक जीता था। सिंधु ने बाद में टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता। सिंधू ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला एथलीट हैं। हालांकि, उन्होंने ऐसा दो अलग–अलग संस्करणों में किया है।

मनु का मामला सुशील और सिंधू से काफी अलग है क्योंकि वह स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं।

—रोहित माहेश्वरी

कांग्रेसियों ने किया जोरदार प्रदर्शन, नोंकझोंक के बीच पुलिस ने छीना पुतला

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा में विपक्ष के नेता–कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा बजट पर चल रही बहस के दौरान जातिगत जनगणना की मांग उठाए जाने पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की टिप्पणी से कांग्रेसियों का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिलाध्यक्ष शरद कुमार सिंह बबलू की अध्यक्षता में कांग्रेसी गुरुवार को सड़क पर उतर गए। पार्टी कार्यालय से प्रदर्शन करते हुए सक्सेना चौराहे पर पहुंचे कांग्रेसियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अनुराग ठाकुर का पुतला फूंकने की कोशिश की। बारिश के बीच प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों से पुलिस कर्मियों की नोकझोंक हुई और पुलिस कर्मियों ने कांग्रेसियों से पुतला छीनकर फूंकने से रोक दिया। कांग्रेसियों ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में भाजपा के पूर्व मंत्री–सांसद अनुराग ठाकुर ने सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष–पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रति असंसदीय भाषा का प्रयोग करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया। इसे कांग्रेसी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शरद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री को मामले में हस्तक्षेप करते हुए अपने नेताओं को इस तरह की बयानबाजी करने से रोकना चाहिए। कहा कि ऐसा नहीं होता है तो जनता सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएगी। कांग्रेसियों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस पहले से सजग थी। सक्सेना चौराहे पर कांग्रेसियों के पहुंचते ही पुलिस कर्मी सक्रिय हो गए। बारिश के बीच पहले कांग्रेसियों से बातचीत की और जब कांग्रेसी पुतला फूंकने की कोशिश शुरू किए तो हल्की नोकझोंक के बीच पुलिस कर्मियों ने पुतला छीन लिया और साथ लेकर चले गए। इस दौरान त्रिभुवन नारायन मिश्र, गोपाल शाही, पूर्णमासी, राजू यादव, चन्द्रजीत भारती, डॉ. घनश्याम मिश्र, सीमा मद्धेशिया, विजय सिंह एडवोकेट, कपिलदेव शुक्ला, इश्त्याक अहमद, तमेश्वरनाथ पाण्डेय, जग्गू प्रसाद, शिवशंकर वर्मा, इकरार खान, वेदप्रकाश मिश्र, अरविन्द यादव, राजन शुक्ला, लक्ष्मीशंकर यादव, नूरआलम, विनोद सिंह, अकील शेख, विराजवीर अभिमन्यु, विधि नारायन वर्मा, दुर्गेश गुप्ता, संतोष मोदनवाल, अशफाक हुसैन अंसारी, असलम अली, रता कुमार पाण्डेय, अजय कुमार, डॉ. रामनारायन चौरसिया, रामप्यारे प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, दीपचन्द्र त्रिपाठी, अजय पाण्डेय, अकरम सलमानी, सागर सिंह, मंगेश शुक्ला, दीपक, चंचल, गजेन्द्र, अजय, परवेज, अभिषेक, नीतीश, विनय तिवारी, अनूप, विशाल, सोनू, विवके, नीरज, आकाश, सुशील, दीपक, विकास, लालमन, जीत, सोनू, मोनू, गोलू, मिलखा, दुर्गेश साहनी, ब्रजभूषण, सतीश, अरविन्द, अजय तिवारी, दिलीप जायसवाल, सुहेल अहमद आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

विद्यालय से सोलर पैनल व पंखा चोरी करते धरा गया प्रधान शिक्षक

संवाददाता–श्रावस्ती। शिक्षा के मंदिर का पुजारी बुधवार शाम विद्यालय में लगे सोलर पैनल व पंखा पिकअप पर लाद कर कहीं ले जाने की फिराक में था जिसे ग्रामीणों ने चोरी करते रंगे हाथ दबोच लिया। प्रधान शिक्षक का तर्क था कि वह इसे बनवाने ले जा रहा है जबकि बीईओ गिलौला ने कहा कि बगैर अनुमति विद्यालय से कोई सामान नहीं ले जाया जा सकता फिलहाल मामले की जांच बीएसए ने बीईओ गिलौला को सौंपी है।

गिलौला के प्राथमिक विद्यालय तिलकपुर में तैनात प्रधान शिक्षक शिवकांत यादव को ग्रामीणों ने बुधवार शाम विद्यालय से चोरी करते रंगे हाथ दबोच लिया। प्रधान शिक्षक विद्यालय में लगा 550 वाट के चार व 200 वाट के दो सोलर पैनल सहित उससे चलने वाले चार पंखे खुलवा कर पिकअप पर लदवा रहा था जिसे देखकर गांव निवासी सूरज, नंद कुमार, महेश, रामराज, संचित, रज्जन व ओंकार सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की पूछताछ में पिकअप चालक ने बताया कि वह भाड़े पर आया था। इस सामान को कहां ले जाना था। इसकी उसे जानकारी नहीं है। वहीं, प्रधान शिक्षक का तर्क था कि वह इसे बनवाने के लिए ले जा रहा था। इस दौरान प्रधान शिक्षक व ग्रामीणों में झड़प भी हुई। ग्रामीणों की ओर से इसका वीडियो बनाकर डीएम व बीएसए से शिकायत की गई। जिसकी जांच बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी गिलौला को सौंपी है। वहीं, इस बारे में बीईओ का कहना है कि विद्यालय का कोई भी सामान बगैर अनुमति नहीं ले जाया जा सकता है। जांच कर उसकी रिपोर्ट बीएसए को सौंपी जाएगी। जो भी कार्रवाई होनी होगी बीएसए के स्तर से होगी।

शत प्रतिशत ग्राम पंचायतें होंगी ओडीएफ प्लस, चलेगा अभियान

संवाददाता–श्रावस्ती। स्वच्छ भारत मिशन के तहत जनपद की शत प्रतिशत ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस की श्रेणी में शामिल करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए अभियान चलाकर सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक परिवार को व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा से आच्छादित किया जाएगा।

जिला पंचायतराज अधिकारी नन्दलाल ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में फेज–दो के तहत शत प्रतिशत ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस किया जाना है। ग्राम पंचायतों में ओडीएफ की स्थिति बरकरार रखने के लिए सभी परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा से जोड़ा जाएगा। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए लाभार्थियों के चयन से लेकर शौचालय निर्माण पूर्ण कराकर भारत सरकार की वेबसाइट पर रिपोर्ट किए जाने तक की व्यवस्था के विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए विशेष अभियान चलाकर ग्राम पंचायतों में सभी छूटे व नये परिवारों को शौचालय की सुविधा से आच्छादित किया जाएगा। अभियान के पहले सप्ताह में शौचालय विहीन परिवारों को चिन्हित कर आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अभियान के दूसरे सप्ताह में स्व घोषणा व सूची का प्रेषण का कार्य होगा। वहीं अभियान के तीसरे सप्ताह में शौचालय अनुमोदन व धनराशि हस्तांतरणकी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अभियान 21 दिवसीय होगा जो 29 जुलाई से शुरू हो चुका है और 18 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने बताया कि अपात्र मिले शौचालय विहीन परिवार को उनकी ओर से खुद निर्माण कराए जाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

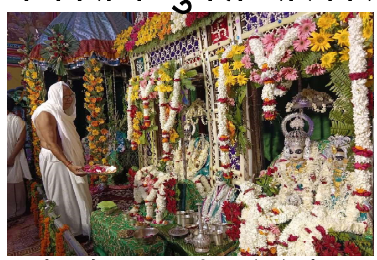

झूलनोत्सव पर फूल बंगले में विराजे युगल सरकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीराम कोर्ट रामलला दर्शन मार्ग स्थित रंग महल में आषाढ़ पूर्णिमा से ही झूलनोत्सव प्रारंभ हो गया है और पूरे सावन भर प्रति दिन उत्सव मनाया जाता है, लेकिन श्रावण मास के दोनों पक्ष की एकादशी पर भगवान के झूले का अनेक प्रकार के फूलों से सजाकर गायन–वादन और नृत्य की त्रिवेणी घंटों बहती है। बुधवार की शाम एकादशी को भगवान राम और माता सीता के झूले को फूलों से सजाया कर उत्सव को भव्य रूप से मनाया गया।रंग महल मंदिर के महंत राम शरण दास महाराज ने कहा कि रंग महल को माता कौशल्या ने भगवान श्रीराम के विवाह के बाद सीता सहित चारो बहुओं को मुंह दिखाई में दिया था। मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम, लखन, भरत और शत्रुघ्न के अलावा इन चारों भगवान की बहुओं में श्री सीता, उर्मिला,मांडवी और श्रुतिकीर्ति भी विराजमान हैं। इन सभी को चार अलग–अलग झूलों में विराजमान कर हर झूलन को सुगंधित फूलों से सजाया जाता है। उन्होंने बताया कि सावन के दूसरे अर्थात शुक्ल पक्ष की एकादशी को रंग महल में गलबहियां की झांकी होती है।इस अदभुद झांकी में रसिक भाव के अनुसार भगवान श्रीराम और श्रीसीता के हाथ एक दूसरे के कंधे होते हैं। इस झांकी का दर्शन बहुत ही कल्याणकारी होता है। इसका दर्शन करने अयोध्या के संत–महंत सहित दूर से श्रद्धालु आते हैं। इस अवसर पर शुरू के साधक ने अपनी साधना का कौशल दिखाते हुए ठाकुर जी को मधुर गीत सुनाए उसमें प्रमुख..झूलन पर सज कर मेरे सरकार आए हैं और करे क्या आप से परदा आदि भजन पेश किया। झूलनोत्सव में चक्रवर्ती सम्राट दशरथ राजमहल बड़ा स्थान के महंत बिंदुगद्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य, उदासीन आश्रम के महंत भरत दास, रंगवाटिका के महंत हरिसिद्ध शरण, हनुमत सदन के महंत अवध किशोर शरण, हनुमानगढ़ी के जुड़े महंत रामकुमार दास, रामकचेहरी चारो धाम के महंत शशिकांत दास आदि बड़ी संख्या में संतों ने झांकी का दर्शन किया। आए हुए संतों का सत्कार मुख्य पुजारी साकेत दास महाराज ने किया।

पुलिस चौकी के समीप आभूषण की दुकान को चोरों ने बनाया निशाना

संवाददाता–देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर चौकी से महज सौ मीटर की दूरी पर आभूषण की दुकान को चोरों ने बुधवार की देर रात निशाना बना लिया। चोर दुकान के अंदर एक आलमारी का लाख तोड़ पचास हजार से अधिक के आभूषण चुरा ले गए जबकि दूसरी आलमारी का लाक नहीं टूटने से डेढ़ लाख के आभूषण बच गए। कोतवाली क्षेत्र के सहला गांव निवासी अरविंद वर्मा पुत्र कन्हैया लाल वर्मा नवलपुर चौकी से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक काम्प्लेक्स में शिला स्वर्ण कला एवं ज्वेलर्स की दुकान किए हैं। वह प्रतिदिन की तरह बुधवार की देर शाम अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। देर रात चोरों ने पीछे से कम्प्लेक्स के अंदर घुस कर आभूषण की दुकान के शटर का लॉक तोड़ 50 हजार का गहने चुरा लिए। लॉकर के अंदर एक और लॉकर था जिसे चोरों द्वारा तोड़ा नहीं जा सका। इस लिए भारी नुकसान नहीं हुई। इस बात की जानकारी दुकानदार को गुरुवार की सुबह दुकान पर पहुंचने पर हुई। दुकान का शटर गिरा था और उसका लॉक टूटा हुआ था। यह देख वह अंदर दुकान में प्रवेश किया तो डब्बे खाली थे आभूषण गायब थे। समान बिखरे पड़े थे। चोर बीड़ी पीकर उसे बुझा कर दुकान में फेंक कर छोड़ दिये थे। इस मामले में दुकानदार अरविन्द ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

22 राजकीय स्कूलों की बेटियों को मिलेगा निःशुल्क रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। अब जिले के राजकीय विद्यालयों की बेटियां रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण से सशक्त बनेंगी। 9वीं से इंटरमीडिएट तक की छात्राओं को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा का निःशुल्क प्रशिक्षण पाने का अवसर मिलेगा। जिले में चार राजकीय इंटर कॉलेज एवं 18 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में इस योजना के तहत बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में मार्शल आर्ट प्रशिक्षु बेटियों को जूडो कराटे ताइक्वांडो में पारंगत किया जाएगा, ताकि विपरीत परिस्थितियों में आने पर वह स्वयं मुकाबला कर सकें। जिले के 22 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में तीन–तीन महीने का 9वीं से इंटर तक की बेटियों को आत्मरक्षा का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है। प्रशिक्षण के माध्यम से बेटियां आत्मरक्षा का कौशल सीखकर विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए सशक्त बनेंगी। जिले में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए 22 राजकीय विद्यालय चयनित किए गए हैं। इनमें चार राजकीय इंटर कॉलेज एवं 18 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों में 1480 बेटियां पंजीकृत हैं, जो 9वीं कक्षा से इंटर तक शामिल हैं। एक अगस्त से 31 अक्टूबर तक विद्यालय अवधि में प्रधानाध्यापक की निगरानी में बेटियों को नियमित ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण के लिए मार्शल आर्ट प्रशिक्षक रखे जाएंगे। ट्रेनिंग देने के लिए ट्रेनरों को पांच हजार रुपए प्रतिमाह पारिश्रमिक के रूप में दिया जाएगा। तीन महीने तक ट्रेनरों की बेटियों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी होगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद बेटियों को प्रमाण–पत्र निर्गत किया जाएगा। शासन की ओर से बेटियों को यह प्रशिक्षण सिर्फ आत्म सुरक्षा के दृष्टि से दिलाया जा रहा है, ताकि बेटियां सशक्त बन सकें। मृदुला आनंद डीआईओएस बलरामपुर ने कहा कि निदेशालय के निर्देश पर राजकीय स्कूलों में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए ट्रेनर की चयन प्रक्रिया चल रही है। प्रशिक्षक के चयन होने के बाद निर्धारित स्कूलों में बेटियों को आत्मरक्षा में पारंगत करने के लिए भेजा जाएगा। प्रशिक्षकों को निर्धारित अवधि के भीतर चयनित स्कूलों की बेटियों को आत्मरक्षा में पारंगत करना होगा।

पंचायत उप चुनाव कराने को कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। पंचायत उपनिर्वाचन को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा है। छह अगस्त को जिले में पंचायत उपचुनाव होगा। इसके लिए ड्यूटी में लगाए गए मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार गुरुवार को प्रभारी अधिकारी कार्मिक सीडीओ अनुभव सिंह की अध्यक्षता में पंचायत उप निर्वाचन को शकुसल सम्पन्न कराने के लिए मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। छह अगस्त को होने वाले उपनिर्वाचन में लगे कुल 10 पोलिंग पार्टियों के 40 कार्मिकों को जिला बचत अधिकारी की ओर से विकास भवन सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि छह अगस्त को मतदान के लिए कुल आठ मतदेय स्थल बनाए गए हैं। जिसमें विकास खण्ड सिरसिया के तहत तीन मतदेय स्थल सदस्य क्षेत्र पंचायत पद के लिए तथा विकास खण्ड हरिहरपुररानी के तहत पांच बूथों पर प्रधान पद के लिए मतदान होना है।

ई–आफिस प्रणाली का शुभारंभ, डिजिटल निस्तारित होंगे मामले

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज कलक्टेट में गुरुवार को ई–आफिस प्रणाली का शुभारंभ हो गया। डीएम अनुनय झा ने आफिस प्रणाली का शुभारंभ करते हुए राजस्व विभाग की 10 पत्रावलियों को डिजिटल हस्ताक्षर कर निस्तारित किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि आगामी समय में पत्रावलियां ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही प्रस्तुत की जाएंगी। कहा कि समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा सभी कार्यवाहियों जैसे डिजिटल सिग्नेचर, निकनेट कनेक्शनब्वीपीएन एवं वर्कफ्लो तैयार करने सहित विभिन्न कार्यो ऑनलाइन संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पत्रावलियों का परिचालन ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ई–ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों को पेपरलेस बनाते हुए शासकीय कार्यों में गति प्रदान करना है। ई–ऑफिस में किसी भी समय पत्रों एवं फाइलो पर कार्य किया जा सकता है। साथ ही ई–ऑफिस प्रणाली

पेपरलेस होने के कारण पर्यावरणनुकूल भी है और सभी प्रपत्रों के ऑनलाइन होने के कारण उनके गायब होने अथवा किसी अन्य प्रकार की त्रुटि होने की आशंका समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ई–ऑफिस प्रणाली में अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही को पारदर्शी तरीके से तय किया जा सकेगा।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप और डीएम के निर्देशानुसार जनपद में सभी कार्यालयों को डिजिटल करने के कार्य शुरू हो चुका है। फिलहाल राजस्व कार्यालयों को ई–ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत लाया गया है। धीरे–धीरे अन्य कार्यालयों में भी क्रमागत रूप से ई–ऑफिस प्रणाली लागू किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, मनोज कुमार, सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निखिल कुमार, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर रजी अख्तर सिद्दीकी, तानसेन, मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

छह माह से सड़क निर्माण ठप, लोगों ने पोस्टर लगाकर मांगा जवाब

संवाददाता–बहराइच।गणेशगंज में छह माह से सड़क का निर्माण रुका हुआ है। स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों ने गली के मुहाने पर पोस्टर लगा दिया है। इसमें जिम्मेदारों से जवाब मांगा गया है। सड़क का निर्माण सांसद निधि से हो रहा था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर भी नगर निगम और महापौर को टैग करते हुए पोस्ट किए हैं। गली में लगे पोस्टर में लिखा है कि 'विगत छह माह से सड़क नहीं बनने दी जा रही है, गंदगी जानलेवा मच्छरों का बसेरा है, पूछ रहे हैं स्थानीय निवासी जिम्मेदार चुप, जवाबदेह कौन। यहां रहने वाले दिवाकर मिश्रा ने बताया कि सांसद निधि से यह सड़क निर्माण शुरू हुआ था। आरोप है कि एक नेता ने निर्माण रुकवा दिया। इसके बाद कुछ दिन तक तो ठेकेदार ने स्थिति सामान्य होने की प्रतीक्षा की। इसके बाद सामान समेटकर चला गया। अब अधूरी सड़क और नाली बरसात के मौसम में दिक्कत बन गई है। यह सड़क मनीषा होटल के पास वाली गली की है। लोगों ने कई बार नगर निगम के अधिकारियों से लेकर महापौर तक शिकायत की है।

70 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा विकास क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में गुरुवार को गर्भवती महिलाओं की सेहत की जांच की गई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत ओपीडी में 262 महिलाओं का पर्चा बना। वहीं स्टाल लगाकर निशुल्क दवा वितरण किया गया है। साथ ही महिलाओं में ब्लड, यूरिन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन की जांच की गई। साथ ही अल्ट्रासाउंड भी कराया गया। एमओ खुर्शीद अहमद ने अपने स्टाल पर चीफ फार्मासिस्ट राजेश कुमार तिवारी की ओर से 22 महिलाओं में ब्लड की जांच की। स्टाप नर्स खुशबू वर्मा व अमृता ने 48 गर्भवती महिलाओं की जांच की। इस दौरान ग्राम पंचायत ददौरा के मजरा चोरकटवा निवासी गर्भवती रीना (28) पत्नी पवन कुमार का महिला चिकित्सक डा. प्रतिभा शुक्ला व डा. एके तिवारी की ओर से सफल आपरेशन किया गया। इससे स्वस्थ्य बच्चे का जन्म हुआ। सीएचसी मल्हीपुर के अधीक्षक डा. अवनीश कुमार तिवारी ने बताया सभी स्टालों पर कर्मचारी मौजूद रहे। गर्भवती महिलाओं ने त्रैमासिक जांच कराया।

उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की हड़ताल पर लगाई रोक

संवाददाता–कुशीनगर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में अधिवक्ताओं की तरफ से की जा रही हड़ताल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है। यह निर्देश सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से पारित आदेश के अनुपालन में दिया गया है।

इसकी जानकारी जनपद सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कुशीनगर स्थान पडरौना के अध्यक्ष गोपालजी तिवारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कसया बार एसोसिएशन द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में लगभग एक माह से हड़ताल किया जा रहा है। हड़ताल को संज्ञान में लेते हुए जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने कसया बार एसोसिएशन को भेजे गए पत्र में उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा जारी निर्देश का पालन करने को कहा है। तिवारी ने बताया कि जिन मुद्दों को लेकर कसया बार एसोसिएशन के अधिवक्ता हड़ताल पर हैं, उन मुद्दों को जनपद न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद को विचार के लिए प्रेषित कर दिया है और हड़ताल खत्म करने का अनुरोध किया है।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटकी मिली महिला

संवाददाता–श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र ग्राम गिलौली निवासी साबरुन (27) पत्नी पतलू की लाश गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में घर के टीनशेड में लगी पाइप के सहारे फांसी के फंदे से लटकी पाई गई।

मेडिकल कालेज में एसडीएम और सीओ ने की छापेमारी, मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। एसडीएम और सीओ ने गुरुवार को मेडिकल कालेज में छापेमारी की। इस दौरान मेडिकल कालेज में अनाधिकृत रूप से मिले आधा दर्जन युवकों को हिरासत में लेकर कोतवाली भेजवा दिया गया। एसडीएम ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मेडिकल कालेज में हड़कंप मचा रहा।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश पर गुरुवार को एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी और सीओ सदर संजय रेड्डी मेडिकल कालेज का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। अधिकारियों ने उपस्थिति पंजिका की जांच की। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में तैनात कर्मचारियों के बारे में जानकारी ली। उसी दौरान मेडिकल कालेज में अलग–अलग स्थानों से आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लेकर कोतवाली भेज दिया गया। एसडीएम ने सभी के खिलाफ जांच कर मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है।

संजीव रेड्डी, सीओ सदर ने कहा कि पकड़े गए व्यक्ति अनधिकृत रूप से मेडिकल कालेज में उपस्थित होकर दलाली कर रहे थे। शासकीय कार्य में हस्तक्षेप एवं प्रभावित करते हुए पाए गए। एसडीएम के निर्देश पर सभी को कस्टडी में ले लिया गया।

सात दिन में कार्रवाई नहीं तो होगा आन्दोलन–अभाविप

संवाददाता–श्रावस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से शैक्षिक समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया। बिना रजिस्ट्रेशन व मानकविहीन कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही सात दिन में कार्रवाई न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक विराट शुक्ल के नेतृत्व में गुरुवार को अभाविप कार्यकर्ताओं ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहुंचकर इंजार्च डीआईओएस डा. हरि प्रताप त्रिपाठी को सात सूत्री मांगपत्र सौंपा। जिसमें मांग की गई कि जिले में चल रहे मानक विहीन कालेज कैम्पसों को मानक के नियमानुसार संचालित कराया जाय। जिले में बिना मान्यता के संचालित हो रहे कालेज कैम्पसों को जांचकर तत्काल बन्द कराया जाय। अवैध रूप से बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे कोचिंग सेन्टरों को बन्द कराया जाय, प्रत्येक विद्यालय में एनसीआरटी की पुस्तकों से ही पढ़ाई कराई जाय, सभी विद्यालय में पेयजल, शौचालय व स्वच्छता की उचित व्यवस्था कराई जाय, सभी इण्टर कालेजों में प्रयोगशाला लैब की व्यवस्था कराई जाय, स्कूली वाहनों के स्वामी की लाइसेंसों की जांचकर कराई जाय। विराट शुक्ला ने कहा कि यदि इन सभी समस्याओं पर सात दिन में कार्रवाई की जाय। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो 8वें दिन अभाविप उग्र आन्दोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रज्वल मिश्रा, जिला संगठन मंत्री सोनू मिश्रा, जिला सह संयोजक आकाश कसौधन, करन शुक्ल, दीपक सिंह, आशीष सोनी, ऋषभ शुक्ल, अभिषेक, राजन, सुधांशु, निखिल, दिवांशु आदि मौजूद रहे।

आरटीओ ने एआरटीओ से पूछा छत पर क्यों चलाते हो कार्यालय

संवाददाता–महराजगंज। आरटीओ गोरखपुर रामवृक्ष सोनकर ने एआरटीओ कार्यालय महराजगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई खमियां मिलीं। इस पर एआरटीओ विनय कुमार को आड़े हाथों लिया। कड़ी चेतावनी दी कि प्रतिदिन सुबह दस से 12 बजे तक भूतल पर पहले के बने कार्यालय में ही बैठें। उसके बाद ही क्षेत्र भ्रमण पर जांय। एआरटीओ कार्यालय इन दिनों खूब सुर्खियों में है। कुछ दिन पहले एसडीएम व एसओजी की टीम ने भी छापामारी की थी, जिसमें चार लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया था। आरटीओ गोरखपुर रामवृक्ष सोनकर ने एआरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। आरटीओ ने जांच में पाया कि एआरटीओ विनय कुमार ने अपना कार्यालय भूतल से हटकर छत पर प्रथम तल पर ले गए हैं। जहां पता ही नहीं चलता कि एआरटीओ कहां बैठते हैं? उनसे कैसे मुलाकात होगी? इस पर आरटीओ ने निर्देश दिया कि वह अपना कार्यालय पहले की तरह से भूतल पर ही संचालित करें। लोगों की शिकायत पर आरटीओ ने कड़ी चेतावनी दी कि वह जनता की समस्या समाधान के लिए प्रतिदिन सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने कार्यालय में बैठें। यह भी मामला सामने आया कि गाड़ियों की जांच के दौरान कई गाड़ियों का मौके पर चालान नहीं किया जाता। चालक से गाड़ी का कागज लेकर रख लिया जाता है। इस पर आरटीओ ने निर्देश दिया कि सभी कार्य पारदर्शी, निष्पक्ष ढंग से संपादित करें। ऐसा कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे विभाग व सरकार की छवि धूमिल हो।

12 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी सपा नेता गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षीय किशोरी को हवस का शिकार बनाने वाले सपा नेता व उसके नौकर को गिरफ्तार कर लिया गया है। किशोरी दो माह की गर्भवती हो गई थी। जिले के भदरसा निवासी सपा नेता व बेकरी मालिक मोईद खान ने कुछ महीने पहले 12 वर्षीय बालिका को बेकरी पर काम करने के लिए नौकर राजू के जरिये बुलवाया और दुष्कर्म किया था। नौकर राजू ने इसका वीडियो बनाया था और बालिका को ब्लैकमेल कर उसने भी दुष्कर्म किया था। मामले का खुलासा तब हुआ, जब किशोरी डॉक्टरों की जांच में दो महीने की गर्भवती निकली।

किशोरी की मां ने तहरीर में बताया था कि दो माह पहले उनकी पुत्री खेत में कार्य कर रही थी। पास में स्थित एक बेकरी में काम करने वाला राजू उसे बेकरी में लेकर गया। वहां पर बेकरी मालिक मोईद खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया। राजू ने इसका वीडियो भी बना लिया। इसके बाद राजू ने भी उसे ब्लैकमेल करके दुष्कर्म किया। किशोरी ने घर पर आपबीती बताई तो परिजनों ने कई बार बातचीत की। इस बीच किशोरी दो माह की गर्भवती हो गई। किशोरी को लेकर वह थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया।

बात फैली तो निषाद समाज के लोगों में आक्रोश फैलने लगा। मंगलवार को निषाद समाज के नेता मोतीराम निषाद, लक्ष्मण निषाद, जिला पंचायत सदस्य हरिश्चंद्र निषाद, मनजीत निषाद, संजय निषाद काफी संख्या में अन्य लोगों के साथ भरतकुंड पहुंचे हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर वह नारेबाजी करने लगे। इस पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का जिक्र बृहस्पतिवार को विधानसभा में अपने संबोधन में भी किया। उन्होंने सामने बैठे नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा कि ऐसे लोग आपकी पार्टी में हैं। इन लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

मोबाइल चोरी के मामले में सात माह बाद मिली जमानत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के जिला व सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा ने घर के बरामदे में चार्जिंग के लिए लगाए गए मोबाइल को चोरी करने के आरोप में जिला कारागार में लगभग सात माह निरुद्ध कैदी का जमानत प्रार्थना–पत्र स्वीकार कर लिया है। उक्त जमानत लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के द्वारा निःशुल्क कराई गई है।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के प्रदीप साहनी ने मुकामी थाने में 24 दिसंबर 2023 को मुकदमा दर्ज कराते हुए कहा कि 17 दिसंबर की रात्रि एक बजे उनका मोबाइल घर के बरामदे में चार्ज करने के लिए लगा हुआ था। किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसे चुरा लिया गया। उक्त मामले में बेलहर कला थाना क्षेत्र के करनजोत गांव निवासी मो. ताहिर को 25 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। घर से पैरवी करने वाला कोई न होने के वजह से उसकी जमानत नहीं हो पा रही थी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी संजीव कुमार पांडेय व असिस्टेंट मो. दानिश जिला कारागार में जाकर आरोपित से मिलकर उसकी समस्याओं को जाना।

असिस्टेंट प्रज्ञा श्रीवास्तव द्वारा जमानत प्रार्थना–पत्र तैयार कर जनपद न्यायाधीश के कोर्ट में दाखिल किया गया। जमानत प्रार्थना–पत्र में आरोपित द्वारा स्वयं को निर्दोष बताते हुए पुलिस द्वारा घर से उठा ले जाने की बात कही गई। न्यायालय ने अभियोजन व बचाव पक्ष के दलीलों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरांत आरोपित के जमानत प्रार्थना–पत्र को मंजूर कर लिया है।

कांग्रेसियों ने फूंका सांसद अनुराग ठाकुर का पुतला

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस और प्रशासन को छकाते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मला पासवान ने गुरुवार को अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद अनुराठ ठाकुर का पुतला दहन किया। इस दौरान जम कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी की। दूसरी ओर पुलिस शास्त्री चौक पर प्रदर्शन के मद्देनजर उनका इंतजार कर रही थी। बाद में पुतला दहन कर जब वे प्रेसक्लब के समक्ष पहुंच कर नारेबाजी कर रही थीं, आक्रोशित पुलिस कर्मियों ने महिला पुलिस बुला कर उन्हें उनके साथियों समेत हिरासत में ले पुलिस लाइन ले गए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा बजट पर चल रही बहस के दौरान जातिगत जनगणना की मांग उठाए जाने पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की टिप्पणी,'ओबीसी, जनगणना की बात बहुत की जाती है। माननीय सभापति जी जिसकी जाति का पता नहीं, वो गणना की बात करता है पर संसद में मचा घमासान सड़क पर उतर आया है। गुरुवार को जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान की अगुवाई में आक्रोशित कांग्रेसियों ने जुलूस निकाल अम्बेडकर चौक पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद अनुराग ठाकुर का पुतला फूंका। हालांकि यह कार्यक्रम शास्त्री चौक पर होना था जिसके उपरांत प्रेसवार्ता का कार्यक्रम था। पुतला दहन के मद्देनजर शास्त्री चौक पर पुलिस बल तैनात था लेकिन कांग्रेसियों ने अचानक कार्यक्रम अम्बेडकर चौक पर कर लिया। उसके बाद निर्मला पासवान जब प्रेसक्लब के सामने पहुंच नारेबाजी कर रही थीं, पुलिस बल ने उन्हें उठा कर पुलिस लाइन पहुंचा दिया। उनके साथ विनोद जोसेफ और राजकुमार यादव को भी पुलिस ले गई। प्रदर्शन में अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव संदीप गोरखपुरी, राम नगीना साहनी, राजकुमार यादव, विनोद जोसेफ, ध्रुव पासवान, पंकज पासवान, अनिल सोनकर, महेंद्र मिश्रा, मुन्ना तिवारी, अभय नंदन द्विवेदी, महेंद्र पासवान, अनिरुद्ध यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

अयोध्या में उमड़े हजारो कांवड़िए, बाइक से पहुंचा 50 हजार का जत्था, यातायात हुआ प्रतिबंधित

संवाददाता–अयोध्या। सावन त्रयोदशी यानी सावन शिवरात्रि पर रामनगरी में कांवड़ियों का रेला उमड़ने की उम्मीद है। इसको लेकर प्रशासन अलर्ट पर है। रामनगरी की सुरक्षा सख्त कर दी गई है। यातायात प्रतिबंध और कड़े कर दिए गए हैं। वहीं सावन शिवरात्रि की पूर्व संध्या में बाइक से 50 हजार से अधिक कांवड़िए अयोध्या पहुंचे। सरयू में डुबकी लगाकर विभिन्न शिवालयों व मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। सावन शिवरात्रि पर करीब दो लाख कांवड़िया भक्तों के आगमन की संभावना है। इससे पहले बृहस्पतिवार को बाइक से पहुंचे कांवड़िया भक्तों से रामनगरी पटी नजर आई। गोंडा व बस्ती से बाइक से पहुंचे कांवड़िया भक्तों ने सबसे पहले पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई। इसके बाद नागेश्वरनाथ, रामलला, हनुमानगढ़ी व कनक भवन के दरबार में हाजिरी लगाई। भीड़ का सर्वाधिक दबाव नागेश्वरनाथ व सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में रहा। वहीं कांवड़िया भक्तों की बाइक रामकथा पाके सामने खड़ी कराई गई। साकेत पेट्रोल पंप से धर्मपथ के फुटपाथ भी बाइक को खड़ा कराया गया। यहां से कांवड़िया श्रद्धालुओं को पैदल जाने की अनुमति रही। देर शाम आईजी प्रवीण कुमार, एसएसपी राजकरण नय्यर सहित अन्य पुलिस बल ने मेला क्षेत्र का भ्रमण किया। आचार्य प्रवीण शर्मा बताते हैं कि सावन मास की शिवरात्रि पर 72 साल बाद दुर्लभ संयोग बन रहा है। गुरु प्रदोष, मृगशिरा, आर्द्रानक्षत्र के शुभ संयोग में सावन शिवरात्रि व्रत आरंभ होगा। भगवान शिव मात्र जलाभिषेक से ही प्रसन्न होते हैं। मनोवांछित फल पाने के लिए भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाता है। बिल्व पत्र चढ़ाया जाता है। धन की प्राप्ति के लिए गन्ने के रस से अभिषेक, पराक्रम के लिए अनार के रस, भक्ति के लिए केले से पूजन, समृद्धि के लिए चीकू, शांति और संतुष्टि के लिए नारंगी फल से अभिषेक की मान्यता है।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल कस्बे के उत्तरपट्टी मोहल्ले में गुरुवार को पानी के मोटर में उतर रहे करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। आनन–फानन में परिजन शव लेकर सीएचसी मेंहदावल ले गए। जहां मौजूद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार उत्तरपट्टी मुहल्ले की निवासी शीतल जायसवाल (40) पत्नी अनुज जायसवाल घर में सफाई कर रही थीं। इसी दौरान वह घर में लगे पानी वाले मोटर में उतर रहे करंट की चपेट में आ गईं जिससे उनकी मौत हो गई। पति अनुज जायसवाल सीएचसी के पास सुर्ती बेचने का कार्य करते हैं। पत्नी से फोन पर बात करने के लिए जब वह फोन मिलाने लगे तो फोन नहीं उठ रहा था। काफी देर तक बात न होने पर अनुज ने अपने छोटे भाई मोनू को, जो बाजार में ही रहता है घर पर भेजा। घर पहुंचकर जब दरवाजा नहीं खुला तो वह किसी प्रकार दरवाजा तोड़कर घर में घुसा वहां उसी मोटर के पास वह गिरी पड़ी थीं। तुरंत ही उसे सीएचसी मेंहदावल लाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

साइकिल सवार को बचाने में स्कूली बस पलटी, बाल–बाल बचे बच्चे

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के बहराडांड़ी–बघैला रोड पर गुरुवार को बच्चों को स्कूल लेकर जा रही स्कूली बस साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरकर पलट गई। जिससे बस में सवार बच्चे चीखने–चिल्लाने लगे। आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर बस में सवार बच्चों को बाहर निकाला। संयोग अच्छा था कि कोई बच्चा गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। प्रबंधक ने बच्चों को उनके घर पहुंचवाया। धनघटा तहसील क्षेत्र के गांवों के बच्चे गोरखपुर जिले के कूरी बाजार के पास स्थित बघैला में होली फ्लेम अकेडमी में पढ़ते हैं। स्कूल की बस गुरुवार को सुबह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। बस में कुल 32 बच्चे सवार थे। बहराडांड़ी से बघैला रोड पर ज्यों ही बस आगे बढ़ी एक साइकिल सवार बस के आगे आ गया। बस चालक ने साइकिल सवार को बचाने का प्रयास किया। इस प्रयास में बस सड़क के किनारे खोदी गई पाइप लाइन के गड्ढे में घुस गई और अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही बच्चों ने शोर मचाना और चिल्लाना शुरू कर दिया। बच्चों का शोर सुनकर अगल–बगल मौजूद लोग दौड़कर पहुंच गए और बस के आगे का शीशा तोड़कर बच्चों को बाहर निकला। संयोग अच्छा था कि बस में सवार कुछ बच्चों को सिर्फ खरोंच आई कोई भी बच्चा गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। घटना की सूचना पर प्रबंधक शिवेंद्र प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंच गए और बच्चों को सकुशल देखकर राहत ली। दूसरे वाहन से बच्चों को उन्होंने घर पहुंचवाया। घटना की सूचना पाते ही तहसीलदार योगेंद्र पांडेय स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर स्कूल पहुंचे। स्कूल में जानकारी लेकर वापस आए। प्रबंधक शिवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि घटना संयोग वश घटी है। संयोग अच्छा था कि किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं लगी।

धूप निकलने से गर्मी बढ़ने पर बिजली की मांग बनी रही

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में गुरुवार की सुबह से ही तेज धूप निकलने से उमस भरी गर्मी बढ़ गई। एक दिन पहले हुई बारिश से लोगों को जो राहत मिली थी वह गर्मी के चलते बेकार हो गई। गर्मी से बचने के लिए पहले जैसे ही गर्मी बनी है। बिजली की आंख मिचौली से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। बिजली आपूर्ति की हालत यह है कि कहीं पर लो वोल्टेज तो कहीं पर आपूर्ति ही नहीं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी तो शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को रही है। शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे आपूर्ति की जगह पर दस से पंद्रह घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही हालत है। विगत एक सप्ताह से जिले में तेज धूप व उमस होने के कारण बिजली का मांग अधिक हो गई थी।

गर्मी से बचने के लिए हर कोई कूलर, पंखा व एसी का प्रयोग कर रहा था। इससे बिजली के सब स्टेशनों पर अधिक लोड पड़ने लगा था। इससे बिजली घर ओवरलोड होकर बंद हो जाते थे। वैकल्पिक व्यवस्था से विभाग के द्वारा इन संयत्रों को ठंडा करने के बाद चालू किया जाता रहा । लेकिन शहरी क्षेत्रों में दस से पंद्रह घंटे ही बिजली की आपूर्ति हो पाती थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी आपूर्ति की हालत दयनीय रही। ऐसे में बुधवार को हुई बारिश ने लोगों को उमस से कुछ राहत दे दी है। जिससे बिजली की खपत कम हो गई है। विभाग भी राहत की सांस ली।

गुरुवार को सुबह से ही तेज धूप निकलने पर उमस भरी गर्मी बढ़ गई। इसके चलते बिजली की मांग फिर बढ़ने लगी। हर घंटे–आधे घंटे पर ट्रिपिंग हो रही है। दस से पंद्रह मिनट बिजली गायब हो रही है।

ट्रक की चपेट में आईं दो बाइक, दो युवकों की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के अकोलिया गांव के पास ट्रक की चपेट में दो बाइक आ गई। एक बाइक सवार की मौके में मौत हो गई। दूसरे बाइक सवार युवक ने अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। नगर पंचायत बेलहर खुर्द निवासी सर्वेश (20) पुत्र अजरागी व किशन (22) पुत्र बुझारत अपने–अपने बाइक से बेलवा सेंगर की तरफ जा रहे थे। दोनों बाइक सवार राजघाट से करीब 100 मीटर दूर स्थित अकोलिया गांव तक पहुंचे थे। इसी दौरान रुधौली की तरफ से एक आम लदा एक ट्रक आ रहा था। दोनों बाइक सवार की टक्कर ट्रक से हो गई। टक्कर होने से सर्वेश की मौके पर मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार किशन गंभीर रूप से घायल हो गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल को सीएचसी मेहदावल पहुंचाया। सीएचसी मेहदावल के चिकित्सकों ने दूसरे बाइक सवार मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक पलट गया। गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया।

इलाज के दौरान घायल व्यक्ति की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार क्षेत्र के रायगंज बाजार सैनपुर टोला निवासी देवीलाल (50) की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। देवीलाल 20 जुलाई रात 9 बजे के घर से बाहर खेत देखने के लिए गए थे। वह खड़बर चौराहा समीप नहर के पास पहुंचे ही थे कि कड़जहां की तरफ से बाइक सवार तीन युवक उन्हें ठोकर मार दिए थे। उनका इलाज गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। गुरुवार की सुबह उनकी मौत हो गई।

महिलाओं को सर्वाइकल, ब्रेस्ट कैंसर से बचाव पर डीडीयू यूनिवर्सिटी और मैक्स हॉस्पिटल के तत्वाधान में हुई कार्यशाला

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संवाद भवन में महिला अध्ययन केंद्र तथा मैक्स हॉस्पिटल लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता कार्यशाला जिसका विषय "किशोरियों और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर , स्तन कैंसर एवं स्वास्थ प्रबंधन " का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को श्री भगवती प्रसाद शिक्षा स्मृति समिति,गोरखपुर तथा वी.एस फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किया गया था।इस कार्यशाला का आशय समाज में सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ते आकड़ों के प्रति जागरूकता तथा रोकथाम के लिए उपाय रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं प्रेरणा स्रोत प्रो पूनम टंडन माननीय कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया जिसमे वरिष्ठ महिला स्वास्थ विशेषज्ञ डॉ अमृता जयपुरिया (गोरखपुर), डॉ रीना श्रीवास्तवा (गोरखपुर) , तथा मैक्स हॉस्पिटल लखनऊ से डॉ फराह अर्शद जी रहीं।

इस कार्यक्रम की संयोजिका प्रो.दिव्या रानी सिंह , निदेशक –महिला अध्ययन केंद्र ने अतिथियों का परिचय , समस्त सम्मानित पधारे अतिथियों का स्वागत किया तथा मंच पर उपस्थित अतिथियों को उत्तरीय तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।सर्वाइकल कैंसर तथा स्तन कैंसर में स्वास्थ प्रबंध पर जागरूक करते हुए उपस्थित महिला स्वास्थ चिकित्सकों द्वारा व्याख्यान दिया गया । डॉ रीना श्रीवास्तव जी ने अपने व्याख्यान में बताया कि भ्प्ट वैक्सीन सभी 9 से 26 वर्ष की लड़कियों को लगवाना चाहिए । गोडसिल –9 वैक्सीन 9 तरह की स्ट्रेन से बचाता है। डॉ अमृता जयपुरिया जी ने भी एच. पी .वी. वायरस के बारे बारे में चर्चा की एवं बताया कि वैक्सीन के विषय में जागरुकता की काफी कमी है तथा वैक्सीन का महंगा होना भी कम टीकाकरण का एक मुख्य कारण है, और भारत में अभी एक प्रतिशत से भी कम लोगों में एचपीवी का टीकाकरण हुआ है जो अत्यंत चिंतनीय है। वही मैक्स अस्पताल लखनऊ से आई डॉ फराह जी ने ब्रेस्ट कैंसर के कारण टेस्ट तथा बचने के उपाय के बारे में बताया । उन्होंने कहा कि कम क्रियाशीलता , शारीरिक व्यायाम की कमी ,अस्वास्थकारी भोजन ,तथा तनाव इसका मुख्य कारण है।

कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कार्यक्रम की उपयोगिता तथा समाज के हर वर्ग तक जागरूकता फैलाने और एचपीवी टीकाकरण को गति प्रदान करने में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को उल्लिखित किया साथ ही महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल का महिला स्वास्थ खधसकर सर्वाइकल कैंसर के बचाव के लिए टीकाकरण को कम से कम दाम में उपलब्ध करना और भारत में इस टीके के निर्माण को और गति देने जिससे सरकार इसे हर सरकारी अस्पताल में मुफ्त में उपलब्ध करा सके के महामहिम के मंतव्य को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने और सहयोग के लिए प्रो एसएस दास तथा संगीता मल्ल का विशेष योगदान रहा ।कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक ,छात्र ,एवं अन्य लोग के द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक चर्चा किए एवं इनसे जुड़े सभी तथ्यों को बताया एवं प्रश्नों का जवाब दिया एवं इस कार्यक्रम में, प्रो नंदिता , प्रो सुधा यादव , प्रो अनुभूति दूबे ,प्रो राजवन्त राव ,प्रो उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी ,श्रीमती पूजा रस्तोगी ,श्रीमती वंदना त्रिपाठी डॉ गीता सिंह,डॉ कुसुम रावत , डॉ अपरा त्रिपाठी, डॉ तूलिका मिश्रा प्रो अनुभूति दुबे, डॉ प्रीति , डॉ अनुपमा कौशिक, डॉ नीता सिंह, शोध छात्राएं , एवं छात्र छात्राएं भी उपस्थिति रहें।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 67/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

कौशल किशोर शुक्ल आदि

बनाम

हेमन्त कुमार मिश्र आदि

1. हेमन्त कुमार मिश्र उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र बीरेश्वर मिश्र निवासी मौजा पिकौरा शिव गुलाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. श्रीमती सुनीता उम्र लगभग 30 पत्नी हरिकृष्ण माधव चौधरी निवासी ग्राम भरवलिया खुर्द तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर हाल मुकाम पिकौरा शिव गुलाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान दशम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती कोर्ट सं0–23

मूलवाद सं0 78/2014

अमरनाथ

बनाम

पुनीता आदि

3/1 कामेश्वरनाथ उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र रामधीरज साकिन बसेवा पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान दशम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती कोर्ट सं0–23

मूलवाद सं0 1062/1993

रामनरेश

बनाम

कृष्ण मुरारी आदि

8/1 महेश उम्र लगभग 53 वर्ष

8/2 सुरेश उम्र लगभग 40 वर्ष

8/3 दिनेश उम्र लगभग 35 वर्ष

पुत्रगण रामदेव साकिनान ग्राम तेलियाडीह तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील सदर बस्ती जिला बस्ती

तारीख पेशी 24–09–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

पैरवी न कर पाने वाले बंदियों को मिलेंगे निःशुल्क अधिवक्ता

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र कुमार सिंह ने कहा अपने मामले में पैरवी न कर पाने वाले बंदियों को निरूशुल्क अधिवक्ता मिलेगा। वे जिला कारागार में बंदियों को जानकारी दे रहे थे।

अपर जिला जज ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि कोई बंदी अपने मामले में पैरवी नहीं कर पा रहा है तो उसके लिए निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा अन्य कोई प्रार्थना पत्र देता है तो उसका त्वरित निस्तारण कराया जाए। इसके पूर्व उन्होंने बंदियों के बैरक में जाकर उनसे बात की। बीमार बंदियों के स्वास्थ संबंधी हाल जाना। अल्पवयस्क बंदियों के पठन–पाठन के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया गया। पाक शाला में तैयार हो रहे पकवान का भी निरीक्षण किया। जेलर को साफ–सफाई एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया।

RELIGION CHANGE

I RAJENDRA PRASAD S/O PANCHAM R/O GRAM AND POST MADWANAGER DISTT. BASTI UTTAR PRADESH -272001 Do Here by solemnly affirm and declare that I have embraced BUDDHISM religion and Renounced HINDUISM religion w.e.f. 20.02.2021

I have changed Only my religion not my name

It is Certifieced that I have Complied with other Legal Requirements in this Connection.

RAJENDRA PRASAD

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com